**भारत सरकार**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या: 5503**
**दिनांक 03 अप्रैल, 2025**

**किफायती मूल्य पर घरेलू एलपीजी सिलेंडर**

**5503. श्री दिलीप शइकीया:**
**श्रीमती हिमाद्री सिंह:**
**श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:**
**श्री गजेन्द्र सिंह पटेल:**
**डॉ. राजेश मिश्रा:**
**श्री दिनेशभाई मकवाणा:**
**डॉ. भोला सिंह:**
**श्री विष्ण दयाल राम:**
**श्री बिद्युत बरन महतो:**
**श्री अनिल फिरोजिया:**
**श्री प्रवीण पटेल:**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वित्तीय वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के उपभोक्ताओं के बीच एलपीजी की घरेलू खपत में वर्ष – वार कितनी वृद्धि हुई है;

(ख) सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करने और राजस्थान सहित आम जनता और उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए एलपीजी को किफायती बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विगत तीन वित्तीय वर्षों और चालू वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा पीएमयूवाई के अंतर्गत लाभार्थियों को कितनी राजसहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या सरकार की कम आय वाले परिवारों के लिए किफायती एलपीजी का प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए नए उपाय शुरू करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने घरेलू बजट पर एलपीजी की बढ़ती कीमतों के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या है; और

(च) दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) से (च): पूरे देश में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मई 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) शुरू की गई थी। पीएमयूवाई के तहत 8 करोड़ कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य सितंबर, 2019 में हासिल कर लिया गया था। शेष गरीब परिवारों को शामिल करने के लिए 1 करोड़ अतिरिक्त पीएमयूवाई कनेक्शन जारी करने के लक्ष्य के साथ अगस्त, 2021 में उज्ज्वला 2.0 की शुरूआत की गई थी, जिसे जनवरी, 2022 में हासिल कर लिया गया था। इसके साथ ही सरकार ने उज्ज्वला 2.0 के तहत और 60 लाख एलपीजी कनेक्शन जारी करने का निर्णय लिया तथा दिसंबर 2022 के दौरान उज्ज्वला 2.0 के तहत 1.60 करोड़ कनेक्शन के लक्ष्य को भी हासिल कर लिया था। इसके अतिरिक्त, सरकार ने पीएमयूवाई योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त 75 लाख कनेक्शन जारी करने को अनुमोदित कर दिया था जिसे पहले ही जुलाई, 2024 के दौरान हासिल किया जा चुका है।

दिनांक 01.03.2025 की स्थिति के अनुसार भारत में सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32.94 करोड़ है जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के 10.33 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं में घरेलू एलपीजी खपत संबंधी ब्यौरे **अनुलग्नक-क** में दिए गए हैं। विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के बढ़त संबंधी ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

| **विवरण (1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार)** | **इकाई** | **2022** | **2023** | **2024** | **01.01.25** |
|---|---|---|---|---|---|
| एलपीजी के सक्रीय घरेलु ग्राहक | (लाख) | 3053 | 3140 | 3242 | 3289 |
| | बढ़त | 5.5% | 2.9% | 3.2% | 2.8% |
| पीएमयूवाई लाभार्थी | (लाख) | 899.0 | 958.6 | 1032.7 | 1033.4 |
| | बढ़त | 12.3% | 6.6% | 7.7% | 3.2% |

नोट: किसी भी वर्ष की 1 अप्रैल को बढ़त दरें पिछले वर्ष की 1 अप्रैल के आकड़ों के अनुरूप होती हैं।

स्रोत: पीपीएसी

पूरे देश में एलपीजी की पहुंच बेहतर बनाने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पीएमयूवाई के विषय में जागरूकता में सुधार करने के लिए अभियान चलाना, कनेक्शनों के निमित्त नामांकन एवं वितरण के लिए मेला/शिविर आयोजित करना, आउट ऑफ होम (ओओएच) होर्डिंग्स, रेडियो जिंगल्स, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन आदि के माध्यम से प्रचार करना, एलपीजी पंचायतों के माध्यम से अन्य पारंपरिक ईंधनों की तुलना में एलपीजी का उपयोग करने के लाभों और एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना, विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत नामांकन/जागरूकता शिविर, पीएमयूवाई कनेक्शन प्राप्त करने के निमित्त उपभोक्ताओं और उनके परिवारों के लिए आधार नामांकन करने तथा बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करने, एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण, निकटतम एलपीजी वितरक, जन सेवा केन्द्र (सीएससी) आदि से www.pmuy.gov.in पर पीएमयूवाई कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन, 5 किलोग्राम के डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) का विकल्प, 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम के सिलेंडर में अदला-बदली का विकल्प, प्रवासी परिवारों के लिए पते के प्रमाण और राशन कार्ड के बजाय स्व-घोषणा के आधार पर नया कनेक्शन प्राप्त करने का प्रावधान आदि जैसे कई कदम उठाए गए हैं।

इसके अलावा, ओएमसीज विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार नई डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स कमीशन कर रही हैं। ओएमसीज ने देश भर में पीएमयूवाई योजना की शुरुआत से 7959 डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स (दिनांक 01.04.2016 से 31.12.2024 के दौरान) कमीशन की हैं जिसमें से 93% अर्थात 7373 [रुरबन-1024,ग्रामीण-4974, दुर्गम क्षेत्रीय वितरक और राजीव गांधी ग्रामीण एलपीजी वितरक (डीकेवी + आरजीजीएलवी) -1375 ] ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। इसके अलावा, देश में एलपीजी कवरेज अप्रैल 2016 में 62 प्रतिशत से बढ़कर अब संतृप्ति के निकट है।

भारत घरेलू एलपीजी के खपत का लगभग 60% आयात करता है। देश में एलपीजी के मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके मूल्य से जुड़े हुए हैं। औसत सऊदी सीपी (एलपीजी मूल्य निर्धारण के लिए अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क) में 63 % (जुलाई 2023 में यूएस अमेरीकी डॉलर 385 प्रति एमटी से फरवरी, 2025 में यूएस अमेरीकी डॉलर 629 प्रति एमटी तक) तक वृद्धि हुई है जबकि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी के प्रभावी मूल्य में 44 % (अगस्त 2023 में 903 रूपए से फरवरी, 2025 में 503 रुपए तक) तक कमी हुई है।

दिल्ली में घरेलू एलपीजी का वर्तमान खुदरा बिक्री मूल्य 803 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलिंडर है। भारत सरकार, पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को 300 रुपए प्रति सिलिंडर निर्धारित राजसहायता के बाद 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलिंडरों को प्रति सिलिंडर 503 रुपए प्रभावी मूल्य पर (दिल्ली में) प्रदान कर रही है। यह राजस्थान सहित देश भर में 10.33 करोड़ से भी अधिक उज्ज्वला लाभार्थियों को उपलब्ध है। 1 मार्च को विगत तीन वर्षो के लिए गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं तथा पीएमयूवाई लाभार्थियों हेतु दिल्ली में प्रभावी घरेलू एलपीजी सिलिंडर लागत के ब्यौरे:

(रुपए/14.2 किग्रा. घरेलु एलपीजी रिफिल)

| | **01.03.2023** | **01.03.2024** | **01.03.2025** |
|---|---|---|---|
| गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ता | 1103 | 903 | 803 |
| पीएमयूवाई लाभार्थी | 903 | 603 | 503 |

स्रोत: पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

वैश्विक स्तर पर, पीएमयूवाई अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्यक्रम है जिसमें 10.33 करोड़ से भी अधिक गरीब परिवारों को लगभग 35 रुपए/किलोग्राम के प्रभावी मूल्य पर घरेलू एलपीजी उपलब्ध करवाया जाता है। इसके अलावा, पड़ोसी देशों में दिनांक 01.01.2025 की स्थिति के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलिंडर का प्रभावी मूल्य निम्नानुसार है-

| **देश** | **घरेलू एलपीजी (रुपए/14.2 किलोग्राम सिलिंडर)** |
|---|---|
| भारत | 503.00* |
| पाकिस्तान | 1094.83 |
| श्रीलंका | 1231.53 |
| नेपाल | 1206.65 |

स्रोत- पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

*दिल्ली में पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए प्रभावी लागत, गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी मूल्य 803 रुपए है।

सरकार द्वारा पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी की पहुंच और वहनीयता में सुधार के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के परिणामस्वरुप, पीएमयूवाई लाभार्थियों (प्रति वर्ष लिए गए 14.2 किग्रा. एलपीजी सिलिंडरों की संख्या के सन्दर्भ में) की प्रति व्यक्ति खपत 3.01 (वि.व.2019-20) से बढ़कर वि.व 2023-24 में 3.95 हो गई है तथा (दिनांक 01.03.2025 की स्थिति के अनुसार) वि.व 2024-25 में 4.43 है।

विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों और रिपोर्टों में दिखाई दिया है कि पीएमयूवाई योजना का ग्रामीण परिवारों, खास तौर से महिलाओं तथा ग्रामीण और दूर दराज के क्षेत्रों में रह रहे परिवारों के जीवन पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ प्रमुख फायदे संक्षेप में नीचे स्पष्ट किए गए हैं:-

(i) पीएमयूवाई के परिणामस्वरूप खाना बनाने के उन पारंपरिक तरीकों में बदलाव आया है जिनमें लकड़ी, गोबर और फसल अपशिष्टों जैसे ईंधनों को जलाना शामिल था। अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल से घरों में होने वाला वायु प्रदूषण कम हुआ है जिससे विशेष रूप से उन महिलाओं और बच्चों के श्वसन संबंधी स्वास्थ्य बेहतर हुआ है जो पारंपरिक तरीके से खाना बनाने के दौरान धुएं के संपर्क में ज्यादा आते हैं।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों खास तौर से दूर दराज के स्थानों में रह रहे परिवार अपना अधिकांश समय और ऊर्जा पारंपरिक रसोई ईंधन इकट्ठा करने में खर्च करते हैं।

एलपीजी से गरीब परिवारों की महिलाओं द्वारा खाना बनाने में होने वाली नीरसता और इसमें लगने वाले समय में कमी आई है। इस प्रकार उन्हें फुरसत का समय उपलब्ध होता है जिसका उपयोग वे आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कर सकती हैं।

(iii) बायोमास और पारंपरिक ईंधनों के स्थान पर एलपीजी का इस्तेमाल करने से खाना बनाने के प्रयोजनों के लिए लकड़ी तथा अन्य बायोमास पर निर्भरता कम हुई है जिससे वनों की कटाई तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में कमी आई है। इससे न केवल परिवारों को फायदा मिलता है अपितु व्यापक तौर पर किए जाने वाले पर्यावरण संरक्षण संबंधी उपायों में भी इसका योगदान है।

(iv) खाना बनाने की बेहतर सुविधाओं के साथ, पोषण पर संभावित सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। परिवारों को विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन बनाने में आसानी प्राप्त होती है, जिससे समग्र स्वास्थ्य बेहतर होगा।

वर्ष 2022-23 से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत आवंटित धनराशि और उपयोग का विवरण **अनुलग्नक-ख** में दिया गया है।

***

**अनुलग्नक-क**

"किफायती मूल्य पर घरेलू एलपीजी सिलेंडर" के संबंध में श्री दिलीप शइकीया, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, डॉ. राजेश मिश्रा, श्री दिनेशभाई मकवाणा, डॉ. भोला सिंह, श्री विष्णु दयाल राम, श्री विद्युत बरन महतो, श्री अनिल फिरोजिया, श्री प्रवीण पटेल द्वारा दिनांक 03.04.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 5503 भाग (क) से (च) तक के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

**पिछले तीन वित्त वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) संबंधी खपत का विवरण**

| वि.व. | पीएमयूवाई खपत(टीएमटी में) |
|---|---|
| 2021-22 | 4439.24 |
| 2022-23 | 4896.86 |
| 2023-24 | 5591.3 |
| 2024-25 (फरवरी'25 तक) | 5957.2 |

स्रोतपीपीएसी:

**अनुलग्नक-ख**

"किफायती मूल्य पर घरेलु एलपीजी सिलेंडर" के संबंध में श्री दिलीप शइकीया, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, डॉ. राजेश मिश्रा, श्री दिनेशभाई मकवाणा, डॉ. भोला सिंह, श्री विष्णु दयाल राम, श्री विद्युत बरन महतो, श्री अनिल फिरोजिया, श्री प्रवीण पटेल द्वारा दिनांक 03.04.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 5503 भाग (क) से (च) तक के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

**वर्ष 2022-23 से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत आवंटित धनराशि और उपयोग का विवरण नीचे दिया गया है:**

(करोड़ रुपए में)

| योजना | वि.व | कुल आवंटन | वास्तविक |
|---|---|---|---|
| प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) | 2022-23 | 8010 | 5663.38 |
| | 2023-24 | 8500 | 8500 |
| | 2024-25 | 12700 | 12700 |

2022-23 to 2024-25 – संशोधित अनुमान

2025-26– बजट अनुमान

****